मुद्रित पृष्ठों की संख्या : 3

BSKC–101

बी. ए. (ऑनर्स) संस्कृत

(बी. ए. एस. के. एच.)

सत्रांत परीक्षा

जून, 2025

बी.एस.के.सी.-101 : लौकिक संस्कृत पद्य साहित्य

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

नोट : *(i) प्रश्न-पत्र में तीन खण्ड हैं।*

(ii) सभी खण्डों से प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

(iii) प्रत्येक प्रश्न के निर्धारित अंक दिए गए हैं।

खण्ड—क

1. निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** की ससन्दर्भ व्याख्या कीजिए— 4×10=40

(क) इति ध्रुवेच्छामनुशासती सुतां
शशाक मेना न नियन्तुमुद्यमात्।
क ईप्सितार्थस्थिरनिश्चयं मनः
पयश्च निम्नाभिमुखं प्रतीपयेत्॥

(ख) कृतारिषड्वर्गज येन मानवीमगम्यरूपां पदवीं प्रपित्सुना।

विभज्य नक्तन्दिवमस्ततन्द्रिणा, वितन्यते तेन नयेन पौरुषम्॥

(ग) अज्ञः सुखमाराध्यः सुखतरमाराध्यते विशेषज्ञः।

ज्ञानलवदुर्विदग्धं ब्रह्माऽपि तं नरं न रञ्जयति॥

(घ) येषां न विद्या न तपो न दानं ज्ञानं न शीलं न गुणो न धर्मः।

ते मर्त्यलोके भुवि भारभूताः मनुष्यरूपेण मृगाश्चरन्ति॥

(ङ) अनारतं तेन पदेषु लम्भिता विभज्य सम्यग्विनियोग सत्क्रियाः

फलान्त्युपायाः परिवृहितायतीरूपेन्य संघर्षमिवार्थसम्पदः॥

खण्ड—ख

2. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं **पाँच** के उत्तर लिखिए— $5\times10=50$

(क) 'किरातार्जुनीयम्' के प्रथम सर्ग के आधार पर महाकवि भारवि की शैली लिखिए।

(ख) महाकवि कालिदास के महाकाव्यों पर प्रकाश डालिए।

(ग) 'कुमारसम्भवम्' के आधार पर पार्वती के व्यक्तित्व पर एक लेख लिखिए।

(घ) 'किरातार्जुनीयम्' की सूक्तियों पर लेख लिखिए।

(ङ) 'नीतिशतक' के आधार पर विद्या की महिमा लिखिए।

(च) 'शिशुपालवध' का कथासार अपने शब्दों में लिखिए।

खण्ड—ग

3. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर टिप्पणियाँ लिखिए— 2×5=10

(क) खण्डकाव्य की विशेषताएँ

(ख) अश्वघोष के महाकाव्य

(ग) महाकाव्य—परिभाषा और लक्षण

(घ) पण्डितराज जगन्नाथ

× × × × ×